पर्यटन की अभिनव प्रवृत्तियाँः जोधपुर जिले के सन्दर्भ में

*डॉ. अर्जुन लाल मीना
**मनीषा

सार

"वसुधैव कुटुंबकम" की भावना के साथ ही वर्तमान विष्व मे तीव्र रूप से संस्कृति व आचार–विचारों का आदान प्रदान हो रहा है। जो पर्यटन को बल प्रदान करता है। पर्यटन उद्योग किसी भी देष अर्थव्यवस्था में, संस्कृति के आदान–प्रदान व रोजगार सृजन हेतु महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विष्व मानचित्र पर दृष्टि डालने से यह ज्ञात होता है कि 19 वीं शताब्दी से आर्थिक साधन के रूप मे पर्यटन का महत्व बढ़ता ही गया। लेकिन इसका वास्तविक विकास हवाई, जल व स्थल यातायात तथा सूचना प्रौद्योगिकी के उद्भव के पश्चात् ही संभव हो सकता है। लेकिन वर्तमान समय मे कोविड–19 वैष्विक महामारी ने पर्यटन उद्योग को भारी क्षति पहुँचाई है। इस शोध पत्र में जोधपुर जिले के सन्दर्भ में पर्यटन की अभिनव प्रवृत्तियों का अध्ययन किया गया है।

सूचक शब्द

पर्यटन, कोविड–19, नकारात्मक प्रभाव, सूचना प्रौ्द्योगिकी, अभिनव प्रवृत्तियाँ, ईको टूरिज्म, एग्रो टूरिज्म।

परिचय

प्राचीन काल से यात्रा भ्रमण व तीर्थाटन आदि के रूप मे पर्यटन भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। पर्यटन मनोरंजन व आमोद–प्रमोद की एक क्रिया है इससे व्यापार, व्यवसाय, ज्ञान अर्जन, आध्यात्मिक व धार्मिक आस्थाओं की भी पूर्ति होती है। पर्यटन उद्योग बिना पूँजी निवेष किए करोड़ो की मुद्रा अर्जित करने में मददगार है (आर. एस. भल्ला)। विगत कुछ वर्षों में पर्यटन की आधारभूत सुविधाओं जैसे– परिवहन सुविधाओं, आवास सुविधाओं, बैकिंग व इंटरनेट सुविधाओं व सरकारी नीतियों आदि में उल्लेखनीय विकास हुआ है।

परिवहन सुविधाओं के अन्तर्गत वार्षिक योजना 2020–21 के परिवर्तित बजट अनुमान 2020–21 में सड़क क्षेत्र के लिए 6277.18 रू करोड़ का प्रावधान रखा गया था। इस परिवर्तित बजट अनुमान के विरूद्ध दिसम्बर 2020 तक 2324.85 रू. करोड़ व्यय किए जा चुके है। पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार की स्वदेश दर्शन योजनान्तर्गत ईको एडवेंचर सर्किट व डेजर्ट सर्किट में जोधपुर को सम्मेलित किया गया है। राजस्थान पर्यटन विभाग के 15 पैकेज में रिजनल टूअर, राजस्थान दर्शन, पर्ल ऑफ राजस्थान, डेजर्ट सर्किट, बेस्ट ऑफ राजस्थान पार्ट–1 आदि पैकेजों में जोधपुर घुमाया जाता है। दिल्ली, मुम्बई, उदयपुर व जयपुर से जोधपुर के लिए हवाई यातायात उपलब्ध है। देश के मुख्य शहरों के साथ सीधी रेल सेवाएँ उपलब्ध है। जोधपुर से दिल्ली, मुम्बई, पुणे, अहमदाबाद, हावड़ा, चेन्नई, बैगलूरू, लखनऊ, वाराणासी, जम्मू, कालका, आगरा, जयपुर, बीकानेर, जैसलमेर, उदयपुर, आबू रोड़ और बाड़मेर के लिए रेलगाड़ियाँ है। विभिन्न राष्ट्रीय व राज्य हाइवेज से जोधपुर जुड़ा हुआ है।

राजस्थान में पर्यटकों हेतू आवास सुविधा में कमी एवं पर्यटकों के आगमन में वृद्धि को देखते हुए वर्ष 2012 में ''पेइंग गेस्ट आवास योजना'' सम्पूर्ण राज्य में लागू किया। जोधपुर में 5 स्टार डिलक्स होटल उम्मेद भवन पैलेस, 5 स्टार होटल द गेटवे, विवान्ता हरि महल, हेरिटेज होटल अजीत भवन पैलेस, करणी भवन, रणबंका, रातानाड़ा पोलो पैलेस आदि लग्जरी होटलों से लेकर बजट फ्रेंडली होटलों तक के विकल्प उपलब्ध है।

राजस्थान राज्य में पर्यटन को प्रोत्साहित करने तथा नवीन एवं अनुभव जन्य पर्यटन उत्पादों के माध्यम से राज्य को पंसदीदा व अग्रणी पर्यटक गतव्य बनाए जाने के उद्देश्य से अधिसूचना दिनांक 09 सितम्बर 2020 के द्वारा ''राजस्थान पर्यटन नीति, 2020'' को राज्य में लागू किया गया है। पर्यटन विभाग के अधीन पर्यटन क्षेत्र में मानव संसाधन विकास हेतू राज्य होटल प्रबन्ध संस्थान, जोधपुर की स्थापना वर्ष 1996 में फूड क्राफ्ट संस्थान के रूप में हुई थी, जिसे अगस्त, 2001 में क्रमोन्नत कर होटल प्रबन्धन संस्थान का दर्जा दिया गया है। तभी से यह संस्थान पर्यटन विभाग के अधीन एक स्ववित्त पोषित संस्थान के रूप में कार्यरत है। पर्यटन सहायता बल योजना पर्यटन विभाग द्वारा 2000–2001 में प्रारम्भ की गई। इस योजना के तहत् जोधपुर में 1 सुपरवाईजर व 14 सुरक्षाकर्मी कार्यरत है। जोधपुर विकास प्राधिकरण ने 2020–2021 (दिसम्बर 2020 तक) के दौरान सड़क फ्लाई ओवर, पुल, सीवरेज कार्य, सड़को के निर्माण, रखरखाव, विद्युतीकरण और अन्य निर्माण और रखरखाव कार्यो में 57.40 करोड़ व्यय किया है। वर्ष 2020–2021 में 31 दिसम्बर 2020 तक राजस्थान पर्यटन विभाग ने 105 पर्यटक इकाई परियोजनाओं का अनुमोदन किया गया है। जिनके लिए कुल निवेश 1344.08 रू करोड़ का प्रावधान किया गया। जोधपुर में 24 अक्टूबर 2020 को पर्यटक पुलिस स्टेशन स्थापित कर विधिवत् शुभारम्भ कर दिया गया है। राजस्थान पर्यटन विभाग के अन्तर्गत जोधपुर में क्षेत्रीय पर्यटन कार्यालय व पर्यटक स्वागत केन्द्र संचालित है। 2020–2021 (दिसम्बर 2020 तक) पर्यटन प्रचार–प्रसार हेतु राजस्थान पर्यटन मंत्रालय द्वारा 759.84 लाख राशि व्यय की गई।

अमृत मिशन केन्द्र सरकार द्वारा जून, 2015 में अटल मिशन रिजुवेनेशन एवं अरबन ट्रांस फोरमेशन योजना आरम्भ की गई। इस मिशन के अन्तर्गत जोधपुर का चयन भी किया गया है। अमृत योजना का फोकस आधारभूत ढाँचे के निर्माण पर था। स्मार्ट विलेज के तहत् 2017–2018 में 3000 से अधिक आबादी वाले गाँवों का चयन कर शहर जैसी आधुनिक सुविधाओं के साथ ग्रामों को विकसित करने के लिए प्रारम्भ की गई। श्यामा प्रसाद मुखर्जी, रूर्बन मिशन का उद्देश्य आर्थिक, सामाजिक और बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध कराकर ग्रामीण क्षेत्रों में सुधार करते हुए देश का स्थायी एवं संतुलित क्षेत्रीय विकास करना है। राज्य में प्रथम चरण 2015–16 में भरतपुर, नागौर, बाड़मेर, जोधपुर और उदयपुर जिलों में पाँच कल्स्टरों का चयन किया गया। इस प्रकार अरबन, रूरल व रूर्बन क्षेत्रों के समुचित विकास के प्रयास सरकार द्वारा किए जा रहे है, जो पर्यटन उद्योग के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

वर्तमान में इंटरनेट सुविधाओं व टेक्नोलॉजी का अच्छा विकास हुआ है, जो पर्यटन उद्योग आगे बढ़ाने के लिए अत्यधिक उपयोग सिद्ध हुए है। राज्य सुदूर संवेदन अनुप्रयोग केन्द्र जोधपुर राज्य के प्राकृतिक संसाधनों के भौतिक एवं स्थानिक संमकों के आधार पर सूचना प्रणाली बनाने का कार्य कर रहा है। बेव पोर्टल www.tourism.rajasthan.gov.in पर मेले त्यौहारों एवं पर्यटन स्थलों इत्यादि की जानकारी उपलब्ध करवायी जा रही है। जोधपुर के मारवाड़ उत्सव, नवरात्रा मेला व मेहरानगढ़ फोर्ट मेला आदि लोकप्रिय है।

वर्तमान में पर्यटन उद्योग का क्षेत्र बढ़ता ही जा रहा है। लोगों के बीच ईको टूरिज्म, एग्रो टूरिज्म आदि प्रचलित हो रहे है। पारिस्थितिक पर्यटन या इको टूरिज्म से आशय है जिसमें प्राकृतिक क्षेत्रों की यात्रा इस प्रकार से करी जाती है जिसमें स्थानीय वन्य जीवन, पर्यावरण व स्थानीय निवासियों को संरक्षित रखा जाए व उन्हें लाभ पहुंचे। खींचन ग्राम, जोधपुर में राजस्थान पर्यटन विभाग को आवंटित 12 बीघा भूमि को (प्रवासी पक्षियों के बैठने की जगह) पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने साइबेरियन क्रेन (कुरजां पक्षी) की सुरक्षा बाबत् चार दीवारी निर्माण व विकास कार्य

हेतू 2018–19 में 94.12 लाख प्राजेक्ट स्वीकृत किया। जोधपुर में ईको टूरिज्म की अच्छी संभावनाएँ जैसे– गुड़ा विश्नोई, खेजड़ली, कंकानी, खींचन आदि विद्यमान है।

कृषि पर्यटन या एग्रो टूरिज्म से तात्पर्य है कृषि से सम्बन्धित गतिविधियों जैसे– विभिन्न कृषि सम्बन्धित नवाचार, पशुपालन, जैविक कृषि, कृषि परम्परागत तकनीके आदि की जानकारी जिज्ञासु पर्यटकों के समक्ष मनोरंजक तरीके से प्रस्तुत करना। एग्रो टूरिज्म बहु आयामी, प्राकृतिक पर्यटन, साहसिक पर्यटन व युवाओं को रोजगार प्रदान करने वाला है। मारवाड़ में एग्रो टूरिज्म की व्यापक संभावना विद्यमान है। रीको द्वारा जोधपुर बोरानाड़ा में एग्रो फूड पार्क विकसित किया गया है। रीको द्वारा औद्योगिक क्षेत्र तिंवरी, जोधपुर में लगभग 33 हैक्टेयर भूमि पर ''कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र'' बनाये जाने की योजना है।

वर्तमान में कोविड–19 महामारी ने इस उद्योग को भारी क्षति पहुँचाई है। SARS - COV-2 (Severe Acute Respiratory Syndrome) एक ऐसा वायरस है जो गंभीर सांस की बीमारी फैलाता है और आपसी सम्पर्क से फैलता है जिसे कोविड–19 के रूप में भी जाना जाता है। यह एक वैष्विक महामारी (WHO द्वारा एक महामारी के रूप में घोषित 12 मार्च 2020) है। कोरोना वायरस का प्रारम्भ चीन के वुहान सिटी (दिसम्बर 2019) माना जाता है।

अध्ययन क्षेत्र

जोधपुर राजस्थान राज्य का दूसरा सबसे बड़ा जिला है। यह राजस्थान के पष्चिम में स्थित है। राव जोधा ने 12 मई 1459 में आधुनिक जोधपुर शहर की स्थापना की। जोधपुर जिला का विस्तार 26°00' N अक्षांष से 27°37' N अक्षांष और 72°55' E देषान्तर से 73°52' E देषान्तर है। जोधपुर की समुन्द्र तल से ऊँचाई 231 मीटर है। जोधपुर अपनी भौगोलिक स्थिति, ऐतिहासिक महल, मंन्दिरो की वास्तुकला, रीति रिवाज, वेषभूषा, भाषा, खानपान आदि के लिए देषी और विदेषी पर्यटकों का आकर्षण केन्द्र है।

जोधपुर के प्रमुख दर्शनीय स्थल

मेहरानगढ़ किला

इस भव्य व प्रभावशाली दुर्ग की स्थापना 1459 में राव जोधा ने की। यह किला चिड़ियाटूक पहाड़ी पर अवस्थित है। किले के अन्दर मोती महल, फूल महल, शीश महल, सिलेह खाना, दौलत खाना, चामुण्डा माता का मन्दिर दर्शनीयह है।

जसवंत थड़ा

जोधपुर के महाराजा जसवंत सिंह द्वितीय की स्मृति में ईस्वी सन् 1899 में सफेद संगमरमर से बना यह शाही स्मारकों का समूह है। यहाँ मारवाड़ के शासकों की वंशावली के बारे में सम्पूर्ण जानकारी मिलती है।

उम्मेद भवन पैलेस

महाराजा उम्मेदसिंह ने अपनी अकाल पीड़ित प्रजा को काम देने के उद्देश्य से इस पैलेस का निर्माण कराया। छित्तर की खानों के पत्थरों से निर्मित होने के कारण इसे छित्तर पैलेस भी कहते हैं।

मण्डोर

जोधपुर से 8 किमी. दूर उद्यानों के बीच स्थित यह एक मनोहारी भ्रमण स्थल है। मारवाड़ की प्राचीन राजधानी रहे मण्डोर में जोधपुर के पूर्व शासकों के स्मारक है।

कायलाना झील

कायलाना झील प्राकृतिक झील है। जोधपुर वासियों का लोकप्रिय पिकनिक स्थल है।

गिरदीकोट और सदर बाजार

शहर के ह्रदय में स्थित छोटी–छोटी दुकानों वाली, संकरी गलियों में रंग बिरंगा बाजार जो हस्तशिल्प की विस्तृत किस्मों की वस्तुओं के लिए विश्व विख्यात है।

बाल समंद झील

इस झील का निर्माण सन् 1159 में हुआ। झील के किनारे खड़ा भव्य ग्रीष्मकालीन महल सुन्दर बगीचों से घिरा हुआ है।

महामंदिर

महामंदिर का निर्माण सन् 1812 में किया गया। यह अपने 84 नक्काशीदार खम्भों के कारण असाधारण है।

जोधपुर के आस–पास के प्रमुख पर्यटन स्थल

ओसियाँ

ओसियाँ में स्थित सच्चिचाय माता मंदिर, भगवान महावीर मंदिर तथा सूर्य मंदिर आदि है। जोधपुर ओसियाँ की दूरी लगभग 58 किमी. है।

धवा

धवा में एक वन्य प्राणी उद्यान है जहाँ भारतीय मृग स्वछंद विचरण करते देखा जा सकता है। धवा गाँव की जोधपुर से दूरी लगभग 45 किमी. है।

फलौदी–खींचन

फलौदी कलात्मक हवेलियों और मंदिरों के लिए सुप्रसिद्ध है। जोधपुर से इसकी दूरी लगभग 135 किमी. है। फलौदी के पास छोटे से गाँव खींचन में प्रति वर्ष कुरजां पक्षी हजारों किलोमीटर की यात्रा कर सर्दियों में यहां आते है। यह क्षेत्र ईको टूरिज्म हेतु उपर्युक्त है।

अध्ययन सामग्री एवं विधि

यह शोध पत्र द्वितीयक आंकड़ो पर आधारित है। राजस्थान पर्यटन विभाग द्वारा प्रकाषित वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन **https//www.tourism.rajasthan.gov.in** से आंकड़े प्राप्त किये गए है। अध्ययन हेतू वर्ष 2010 से 2020 तक के कुल पर्यटकों की संख्या (स्वदेषी पर्यटक व विदेषी पर्यटक) ली गई है। आंकड़ो के विष्लेषण हेतू न्यूनतम वर्ग विधि द्वारा उपनति–निर्धारण व अल्प कालिक उच्चावचनो का माप विधि का प्रयोग किया गया है। सुत्र निम्नानुसार है :–

उपनति मूल्य = $a+bx = Yc$

$$a = \frac{\Sigma y}{N} \quad b = \frac{\Sigma xy}{\Sigma x^2}$$

अल्पकालिक उच्चावचन = सूचकांक (O) – उपनति मूल्य (T)

परिणाम व चर्चा

आँकड़ो के विष्लेषण से ज्ञात होता है कि वर्ष 2011 से 2015 तक अल्पकालीन उच्चावचन ऋणात्मक रहा है। वर्ष 2016 से 2019 अल्पकालीन उच्चावचन धनात्मक रहा है अतः इन वर्षो में पर्यटन उद्योग में वृद्धि हुई है।

सारणी :– 1 जोधपुर जिले में पर्यटन की अभिनव प्रवृत्तियाँ

वर्ष	पर्यटको की संख्या (लाख में)	अल्पकालीन उच्चावचन
2010	5.53	0.37
2011	5.07	–0.61
2012	5.04	–1.16
2013	5.54	–1.18
2014	6.59	–0.65
2015	7.24	–0.62
2016	11.1	2.82
2017	10.38	1.58
2018	12.53	3.21
2019	12.4	2.56
2020	3.95	–6.41

स्रोत :– **https://www.tourism.rajasthan.gov.in**

सर्वाधिक धनात्मक अल्पकालिन उच्चावचन +3.21 वर्ष 2018 में प्राप्त हुआ है। वर्ष 2017–2018 में राजस्थान पर्यटन विभाग द्वारा पर्यटन के प्रचार–प्रसार योजनान्तर्गत 12034.24 लाख राशि व पर्यटक स्थलों के विकास एवं संरक्षण योजनान्तर्गत 2699.70 लाख राशि का व्यय किया गया। वही वर्ष 2020 में सर्वाधिक ऋणात्मक उच्चावचन –6.41 रहा।

ग्राफ–2 : जोधपुर जिले में पर्यटन की प्रवृत्तियों में आए अल्पकालिक उच्चावचन

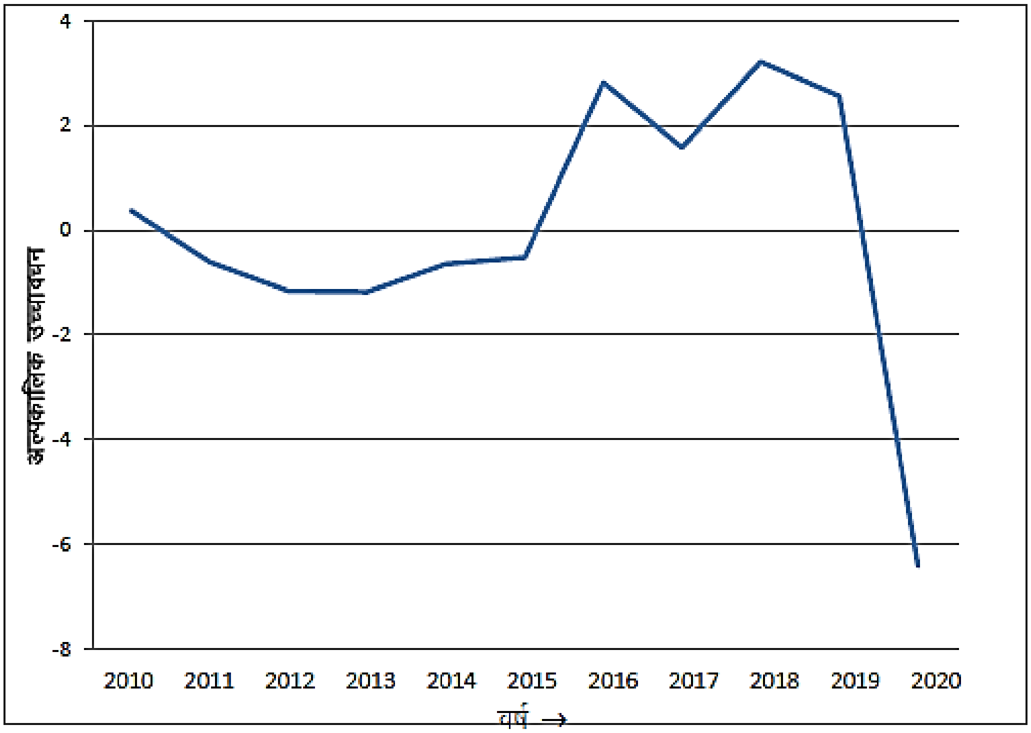

वर्ष 2020–2021 में पर्यटन के प्रचार–प्रसार योजनान्तर्गत 759.89 करोड़ व पर्यटक स्थलों के विकास एवं संरक्षण हेतू 469.75 लाख राशि का व्यय किया गया। वर्ष 2020 में भारत में कोविड–19 महामारी का फैलाव होना प्रारम्भ हो गया था। भारत सरकार ने बीमारी की गंभीरता को देखते हुए 23 मार्च 2020 से 3 मई 2020 तक देष में सम्पूर्ण लॉकडाउन किया। राजस्थान में कैलेण्डर वर्ष 2020 में विदेशी पर्यटकों की संख्या में 72.19 प्रतिशत की कमी व स्वदेशी पर्यटकों की संख्या में 71.05 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। सम्पूर्ण लॉकडाउन महामारी के नियंत्रण हेतू सकारात्मक प्रभावी रहा लेकिन देष की अर्थव्यवस्था जिसमें पर्यटन उद्योग भी सम्मलित है के लिए अत्यधिक हानिकारक सिद्ध हुआ। अतः पर्यटन उद्योग के पुर्नत्थान की आवष्यकता है।

सतत् विकास अवधारणा को ध्यान में रखते हुए नवीन पर्यटन स्थलों का निर्माण किया जाए तथा पुराने पर्यटन स्थलों की सफाई व रख रखाव किया जाए। तथा पर्यावरण के संरक्षण व संवर्द्धन हेतू समुचित प्रयास किये जाने चाहिए।

वर्तमान समय में लोगों का रूझान विलेज टूरिज्म, ईको टूरिज्म, एग्रो टूरिज्म आदि के प्रति बढ़ता जा रहा है। जोधपुर में इसकी अत्यधिक संभावनाऐं है अतः उनके विकास की ओर ध्यान देना चाहिए।

कोविड–19 के कारण पर्यटन उद्योग को अत्यधिक क्षति हुई है अतः सरकार की क्षतिपूर्ति हेतू अतिरिक्त प्रयास करने चाहिए। भविष्य में अन्य किसी भी महामारी आपदा आदि से निपटने हेतू पूर्ण तैयारी होनी चाहिए।

***सहायक आचार्य**
****शोधार्थी**
भूगोल विभाग
जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर (राज.)

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. आर्य डॉ. आर. पी., पधारो राजस्थान पर्यटक गाईड एवं मानचित्र, इण्डियन मैप सर्विस, 46–49।
2.. जैन डॉ. हुकमचन्द व माली डॉ. नारायण लाल, 2019, राजस्थान का इतिहास संस्कृति परम्परा एवं विरासत, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, 364–376।
3. नागर कैलाश नाथ, 2019–20, सांख्यिकीय के मूल तत्व, मीनाक्षी पब्लिकेशन, 631–634।
4. रिजवी डॉ. एस. एम., सांख्यिकीय भूगोल, तृतीय संषोधित, संस्करण, हिन्दी ग्रंथ अकादमी।
5. सक्सेना डॉ. हरिमोहन, 2019, राजस्थान का भूगोल, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, 280–295।
6. https://www.tourism.rajasthan.gov.in
7. www.ncbi.n/m.nih.gov
8. https://tourism.gov.in
9. https://plan.rajasthan.gov.in
10. https://timesofindia.indiatimes.com/city/jaipur/rajasthan-to-promote-agritourism-in-big-way/articleshow/55390155.cms